



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (I)  
PART II.—Section 3—Sub-section (I)

प्रतिभक्तर से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 275]

नई दिल्ली, मंगलवार, 28, 1994/आषाढ़ 7, 1916

No. 275]

NEW DELHI, TUESDAY, 28, 1994/ASADHA 7, 1916

वित्त मंत्रालय  
(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 28 जून, 1994

सं. 1/94—सेवा कर

सा.का.नि. 545(अ).—केन्द्रीय सरकार, वित्त अधिनियम, 1994 (1994 का 32) की धारा 64 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, 1 जुलाई, 1994 को ऐसी तारीख के रूप में नियत करती है, जिसको उक्त अधिनियम का अध्याय 5 प्रवृत्त होगा।

[फा. सं. 137/1/94-सोएक्स 4]

राजीव भाटिया, अवसर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 28th June, 1994

No. 1/94-SERVICE TAX

G.S.R. 545(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 64 of the Finance

1532 GI/94

Act, 1994 (32 of 1994), the Central Government hereby appoints the 1st day of July, 1994, as the date on which Chapter V of the said Act shall come into force.

[F. No. 137/1/94 CX.4]

RAJIV BHATIA, Under Secy.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 28 जून, 1994

सं. 2/94—सेवा कर

सा.का.नि. 546(अ).—केन्द्रीय सरकार, वित्त अधिनियम, 1994 (1994 का 32) की धारा 94 की उपधारा (2) के साथ पठित उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सेवा कर के निर्धारण और संग्रहण के प्रयोजन के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ.—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम सेवा कर नियम, 1994 है।

(2) ये पड़ली जुलाई, 1994 को प्रवृत्त होंगे।

2. परिभाषाएं : (1) इन नियमों में जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,—

- (क) "अधिनियम" से वित्त अधिनियम, 1994 (1994 का 32) अभिप्रेत है;
- (ख) "निर्धारण" से केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क अधिकारी द्वारा सेवा कर का निर्धारण अभिप्रेत है और इसके अन्तर्गत निर्धारण, निर्धारण का ऐसा आवेदन जिसमें निर्धारित कर शून्य है; निर्धारित या पुनः निर्धारित कर पर व्याज का अवधारण भी है;
- (ग) "प्ररूप" से इन नियमों के साथ संलग्न प्ररूप अभिप्रेत है;
- (घ) "सेवा कर के संग्रहण के लिए उत्तरदायी व्यक्ति" से निम्नलिखित अभिप्रेत है—

- (i) टेलीफोन कनेक्शन के संबंध में—
- (क) भारतीय तार अधिनियम, 1885 (1885 का 13) की धारा 3 के खंड (6) में निर्दिष्ट डाक और तार महानिदेशक; या
- (ख) अध्यक्ष—सह-प्रबंध निदेशक, महानगर टेलीफोन निगम लिमिटेड दिल्ली जो कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) के अधीन रजिस्ट्रीकृत एक कंपनी है; या
- (ग) कोई ऐसा अन्य व्यक्ति जिसे केन्द्रीय सरकार द्वारा भारतीय तार अधिनियम, 1885 (1885 का 13) की धारा 4 की उपधारा (1) के पहले परन्तुक के अधीन अनुज्ञप्ति प्रदान की गई है;

(ii) साधारण बीमा कारबार के संबंध में—

- (क) अध्यक्ष, भारतीय साधारण बीमा निगम, मुम्बई; या
- (ख) अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक, राष्ट्रीय बीमा कंपनी लिमिटेड, कलकत्ता; या
- (ग) अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक न्यू इंडिया बीमा कंपनी लिमिटेड, मुम्बई; या
- (घ) अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक ओरिएंटल बीमा कंपनी लिमिटेड दिल्ली; या
- (ङ) अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक यूनाइटेड इंडिया बीमा कंपनी लिमिटेड, मद्रास; या
- (च) कोई ऐसा व्यक्ति जो साधारण बीमा कारबार करता है और जिसने बीमा अधिनियम, 1938 (1938 का 4) की धारा 3 के अधीन रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र अभिप्राप्त किया है; और

(iii) किसी मान्यता प्राप्त स्टाक एक्सचेंज में सूचीबद्ध प्रतिभूतियों के विक्रय या क्रय के संबंध में, प्रत्येक शेषर बलाल।

(2) ऐसे सभी शब्दों और पदों के, जो इन नियमों में प्रयुक्त हैं किन्तु परिभाषित नहीं हैं तथा जो केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम 1944 (1944 का 1) और केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगे जो उनके उस अधिनियम और उन नियमों में हैं।

3. अधिकारियों की नियुक्ति :—केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और सांसा-शुल्क बोर्ड, ऐसे केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क अधिकारियों की नियुक्ति कर सकेगा जिन्हें वह अधिनियम के अध्याय V के अधीन, ऐसी स्थानाय सीमाओं के भीतर जो वह उन्हें समनुवेशित करे, शक्तियों का प्रयोग करने के लिए उपयुक्त समझे और ऐसी कराधेय सेवा भी विनिर्दिष्ट कर सकेगा जिसके संबंध में ऐसा कोई केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क अधिकारी अपनी शक्तियों का प्रयोग करेगा।

4. रजिस्ट्रीकरण : (1) सेवा कर के संग्रहण के लिए उत्तरदायी प्रत्येक व्यक्ति नियम 3 के अधीन नियुक्त संबंधित केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क अधिकारी को रजिस्ट्रीकरण के लिए प्ररूप एसटी-1 में आवेदन करेगा।

(2) जहां कोई निर्धारित एक से अधिक पतारों या कार्यालयों से कराधेय सेवाएं प्रदान कर रहा है वहां केन्द्रीय सरकार के लिए ऐसे प्रत्येक पतार या कार्यालय की बाबत रजिस्ट्रीकरण के लिए पृथक आवेदन अनुज्ञात करना सक्षम होगा।

(3) केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क अधिकारी अपना यह समाधान करने के पश्चात् कि आवेदन पत्र अधिनियम के अध्याय V के और नियमों के उपबंधों के अनुरूप है, आवेदन की प्राप्ति की तारीख से सात दिन के भीतर प्ररूप एसटी-2 में रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्रदान करेगा। यदि उक्त अवधि के भीतर रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्रदान नहीं किया जाता है तो वह रजिस्ट्रीकरण जिसके लिए आवेदन किया गया है, प्रदान किया गया समझा जाएगा।

(4) जहां कोई रजिस्ट्रीकृत निर्धारित अपने कारबार का अन्तरण किसी अन्य व्यक्ति को करता है वहां अन्तरित रजिस्ट्रीकरण का नया प्रमाणपत्र अभिप्राप्त करेगा।

(5) ऐसा प्रत्येक रजिस्ट्रीकृत निर्धारित, जो उस क्रियाकलाप को करना बंद कर देता है जिसके लिए वह रजिस्ट्रीकृत है, अपने रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र का तुरन्त अभ्यर्पण करेगा।

5. अभिलेख : (i) किसी निर्धारित द्वारा समय-समय पर प्रवृत्त विभिन्न विधियों के अनुसार रखे गए अभिलेख (जिसमें कम्प्यूटरीकृत आंकड़े भी हैं) स्वीकार्य होंगे।

(2) प्रत्येक निर्धारित पहली बार अपनी वार्षिक विवरणी फाइल करते समय सेवा कर में संबंधित रखे गए सभी लेखाओं जिसमें उसके शाखा कार्यालय से

प्राप्त किए गए आपन भी है जो सूची केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क अधिकारी को प्रस्तुत करेगा।

6. सेवा कर का संदाय (1) निर्धारित कराधेय सेवा के मूल्य पर आने वाले संगृहीत सेवा कर, कलण्डर मास के ठीक बाद के मास की 15 तारीख तक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और सीमाशुल्क बोर्ड द्वारा इस प्रयोजन के लिए अभिहित बैंक में प्रारण टी आर 6 में जमा करेगा।

परन्तु यहाँ कोई निर्धारित, किसी कारण से, जमा करने की तारीख को किसी विशिष्ट मास या अवधि में संगृहीत वास्तविक रकम का सही प्राकृत करने में असमर्थ है, वहाँ निर्धारित जमा की गई रकम के आधार पर कर का अन्तिम निर्धारण करने के लिए केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिकारी को लिखित रूप में निवेदन करेगा, और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिकारी, ऐसे निवेदन के प्राप्त होने पर, कर के अन्तिम निर्धारण का आदेश देगा और जहाँ केन्द्रीय उत्पादशुल्क अधिकारी ऐसा अन्तिम निर्धारण करता है, वहाँ अन्तिम निर्धारण से संबंधित केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के उपबंध जहाँ तक उनका संबंध बंधनों के निष्पादन से है, के सिवाए जहाँ तक हो सके ऐसे निर्धारण को लागू होंगे।

(2) निर्धारित द्वारा प्रत्येक मास के लिए जमा किए गए कर और वास्तव में संगृहीत सेवा कर के बीच अन्तर का व्योरा देते हुए एक विवरणी प्ररूप एसटी-3क में एक आपन में दी जाएगी जिसके साथ उसके तुरन्त पश्चात् उसके द्वारा प्रस्तुत की गई व्र्मासिक विवरणी संलग्न की जाएगी।

(3) जहाँ निर्धारित उप नियम (2) के अधीन प्ररूप एसटी-3क में आपन प्रस्तुत करता है वहाँ केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क अधिकारी के लिए, जहाँ यह आवश्यक समझता है, ऐसी अतिरिक्त दस्तावेज या अभिलेख मंगाने के पश्चात् जो वह मासों की परिस्थितियों में आवश्यक और उचित समझे, निर्धारण को पूरा करना विधिपूर्ण होगा।

स्पष्टीकरण:—इस नियम और नियम 7 के प्रयोजनों के लिए प्ररूप टी आर-6 से केन्द्रीय सरकार के खजाना नियमों के नियम 92 में निर्दिष्ट आपन या बालान अभिप्रेत है।

7. व्र्मासिकी विवरणी—(1) प्रत्येक निर्धारित निम्नलिखित के साथ प्ररूप एसटी-3 में एक व्र्मासिक विवरणी तीन प्रतियों में प्रस्तुत करेगा—

(क) तिमाही के अंतर्गत आने वाले मासों के लिए प्रस्तुत किए गए प्ररूप टी. आर. 7 की एक-एक प्रति, और

(ख) मास के दौरान संगृहीत सेवा कर की रकम और वास्तव में जमा की गई रकम के बीच अन्तर का पूरा व्योरा देते हुए प्ररूप एस.टी.-3क में एक आपन।

(2) तब केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क अधिकारी संदेय सेवा कर का जिसमें उस पर संदेय व्याज, यदि कोई हो, भी है, निर्धारण करेगा और निर्धारण आपन पूरा करेगा। इस प्रकार निर्धारित विवरणी की एक प्रति निर्धारित को भेजी जाएगी।

(3) निर्धारित द्वारा अवधारित और संदेय सेवा कर का उपनियम (3) के अधीन केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क अधिकारी द्वारा निर्धारित सेवा कर के मध्ये समायोजन किया जाएगा और जहाँ इस प्रकार निर्धारित सेवा कर निर्धारित द्वारा अवधारित और संदेय सेवा कर से अधिक है, वहाँ निर्धारित कमी का, उस पर अवधारित व्याज की रकम सहित, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क अधिकारी से विवरणी की प्रति प्राप्त होने से दस दिन के भीतर संदाय करेगा और जहाँ ऐसा सेवा कर कम है, वहाँ निर्धारित केन्द्रीय-उत्पाद शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 11-ख के उपबंधों के अनुसार प्रतिदाय के लिए आवेदन कर सकेगा।

8. केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क कलक्टर (अपील) को अपील का प्ररूप (1) अधिनियम की धारा 85 के अधीन केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क कलक्टर (अपील) की अपील प्ररूप एसटी-4 में की जाएगी।

(2) अपील दो प्रतियों में फाइल की जाएगी और उसके साथ उस आदेश की प्रति लगाई जाएगी, जिसके विरुद्ध अपील की गई है।

9. अपील अधिकरण को अपील का प्ररूप-(1) अधिनियम की धारा 86 की उपधारा (1) के अधीन अपील अधिकरण को अपील प्ररूप एसटी-5 में चार प्रतियों में की जाएगी और उसके साथ निम्नलिखित लगाया जाएगा—

(क) अधिनियम की धारा 86 की उपधारा (4) के अधीन प्ररूप एसटी-6 में किया गया प्रत्याक्षेपों का आपन, और

(ख) उस आदेश की प्रति, जिसके विरुद्ध अपील की गई है (जिसमें से एक प्रमाणित प्रति होगी)।

(2) अधिनियम की धारा 86 की उपधारा (2) के अधीन अपील अधिकरण को अपील प्ररूप एसटी-7 में चार प्रतियों में की जाएगी और उसके साथ निम्नलिखित लगाया जाएगा:—

(क) अधिनियम की धारा 86 की उपधारा (4) के अधीन प्ररूप एसटी-6 में किया गया प्रत्याक्षेपों का आपन,

(ख) यथास्थिति, केन्द्रीय उत्पादशुल्क कलक्टर के आदेश की प्रति और केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और सीमाशुल्क बोर्ड द्वारा पारित उस आदेश की प्रति, जिसमें केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क अधिकारी को,

अर्जित अधिवारण को आवेदन करने का निर्देश दिया गया है या केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क कलक्टर (प्रति) के आदेशों की प्रति और केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क कलक्टर के उस आदेश की प्रति, जिसमें केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क अधिनियम की अर्जित अधि-

वारण को आवेदन करने का निर्देश दिया गया है।

[फा.सं. 137/1/94-प्रा.एक्स 4]

राजीव भाटिया, अवर सचिव

#### प्ररूप एस टी-1

विन अधिनियम, 1994 (1994 का 32) की धारा 69 के अधीन रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन

1. निर्धारितों का नाम :
2. निर्धारितों का पता :
3. रजिस्ट्रीकृत किये जाने वाले परिसर का पता :
4. सेवा का प्रवर्ग :
5. फैक्स/टेलीक्स और फोन नं. :
6. संगठन का रूप (अप्टिक/कंपनी/भागीदारी आदि) :
7. जेपर दलाल की दशा में अर्जित अतिरिक्त जानकारी -
  - (क) सदस्य का नाम और कोड नं. :
  - (ख) उस स्टॉक एक्सचेंज का नाम जिसमें रजिस्ट्रीकृत है :
  - (ग) सदस्यता के प्रवेश की तारीख :
  - (घ) क्या एक से अधिक स्टॉक एक्सचेंजों का सदस्य है। यदि हां तो कृपया कोड संख्यांक सहित स्टॉक एक्सचेंज का नाम दें।
  - (ङ) भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड द्वारा आवंटित रजिस्ट्रीकरण संख्यांक (रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र की प्रति संग्रहित की जाए या भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड को रजिस्ट्रीकरण के लिए किए गए आवेदन की प्रति संग्रहित की जाए)।
8. मैं/हम.....सेवा और नियम, 1994 के सभी उपबंधों और उनके अधीन जारी किए गए किसी आदेश का पालन करने के लिए सहमत हूँ/हैं।
- 9 मैं/हम.....अपनी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार यह घोषणा करता हूँ/करते हैं कि इसमें दी गई जानकारी सही और पूर्ण है।

स्थान :

निर्धारितों या उसके प्राधिकृत प्रतिनिधि के

तारीख :

हस्ताक्षर

#### प्ररूप एस टी-2

विन अधिनियम, 1994 (1994 का 32) की धारा 69 के अधीन रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र

1. यह प्रमाणित किया जाता है कि श्री/शुभो----- (नाम तथा परिसर का पूरा पता) को, जिन्होंने सेवा का नियम, 1994 में विहित शर्तों और उसके अधीन जारी किए गए किसी आदेशों का अनुपालन करने का वचन दिया है, सेवा कर का संग्रहण करने के लिए केन्द्रीय उत्पाद शुल्क विभाग में तारीख-----को रजिस्ट्रीकृत कर लिया गया है।

उसका रजिस्ट्रीकरण संख्यांक-----है।

2. यह प्रमाणपत्र केवल उपर दिए गए परिसर के लिए विधिमान्य है।

3. यह रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र अहस्तांतरणीय है।

4. यह प्रमाण पत्र तब तक निश्चिन्त रहना रहेगा जब तक धारक वह क्रियाकलाप करता रहता है जिसके लिए प्रमाणपत्र जारी किया गया है या जब तक प्रमाणपत्र का अभ्यर्पण केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिकारी द्वारा स्वीकार कर लिया जाता है।

स्थान :

केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क अधिकारी का नाम और  
उसके हस्ताक्षर

तारीख :

(मासकीय मुद्रा सहित)

प्रमाण एस टी-3

19—को समाप्त होने वाली तिमाही के लिए भारत सरकार को जमा किए गए सेवा कर की विवरणी

निर्धारित का नाम

कलकत्ता

सेवा का प्रकार

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क रजिस्ट्रीकरण सं.

क्रम सं.	मास	वित्त अधिनियम, 1994 की धारा 67 के निबंधनों के अनुसार करा-धेय सेवा का मूल्य	सेवा कर 5 प्रति-शत की दर से	व्याज की रकम, यदि कोई हो	संदत कुल रकम	चालान सं. और तारीख
1	2	3	4	5	6	7
(1)						
(2)						
(3)						

योग :

मैं/हम घोषणा करता हूँ/करते हैं कि मैंने/हमने उपर्युक्त विनिष्टियों को अपने द्वारा रखे गए अभिलेख और बहिषों से मिला लिया है और उनको विवरण सही रूप में दिया गया है।

स्थान :

निर्धारित या उसके

तारीख

प्राधिकृत प्रतिनिधि के हस्ताक्षर

निर्धारण शापन

सेवा कर का सही रूप में संदाय कर दिया गया है। सेवा कर का \_\_\_\_\_ रुपए कम/अधिक संदाय किया गया है।

सेवा कर का सही निर्धारण निम्नलिखित व्योमों के अनुसार है।

निर्धारित से \_\_\_\_\_ रुपए की कमी के संदाय के लिए इस निर्धारण शापन की प्राप्ति से 10 दिन के भीतर अनुरोध किया गया है।

निर्धारित प्रतिदाय यदि कोई है के लिए \_\_\_\_\_ में आवेदन करेगा।

(केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिकारी के हस्ताक्षर और मुद्रा)

## प्ररूप एस टी 3क\*

सेवा कर (नियम), 1944 के नियम 6 के अधीन अनंतिम निक्षेप के लिए ज्ञापन

—199—मास के लिए

क्रम सं.	अधिनियम की धारा 67 के निबंधनों के अनुसार कराधेय सेवा का अनंतिम मूल्य	5 प्रतिशत की दर से संदत्त सेवा कर की अनंतिम रकम	प्ररूप टी. आर 6 सं. और तारीख	धारा 67 के निबंधनों के अनुसार कराधेय सेवा का वास्तविक मूल्य	संदेय सेवा वास्तविक कर की रकम	अनंतिम रूप से संदत्त कर की रकम और संदेय सेवा कर की रकम के बीच का अंतर	स्तम्भ (7) के अधीन संदाय उप-वर्णित करते हुए प्ररूप टी. आर. 6 सं. और तारीख	टिप्पणियाँ
1	2	3	4	5	6	7	8	9

सेवा कर का अनंतिम निक्षेप करने के लिए कारण—

\*प्रत्येक मास के लिए पृथक पन्ना संलग्न करें।

## प्ररूप एस.टी.—4

वित्त अधिनियम, 1994 (1994 का 32) की धारा 85 के अधीन

- 19—की सं. —
- अपीलार्थी का नाम और पता
- की गई अपील के विरुद्ध विनिश्चय या आदेश पारित करने वाले अधिकारी का पदनाम और पता तथा विनिश्चय या आदेश की तारीख।
- अपीलार्थी को उस विनिश्चय या आदेश की, जिसके विरुद्ध अपील की गई है, संसूचना की तारीख।
- यह पता जिस पर अपीलार्थी को नोटिस भेजे जा सकें।
- (क) (i) विवाद की अवधि।  
 (ii) स्तम्भ (i) में उल्लिखित अवधि के लिए काली गई सेवा कर की रकम, यदि कोई हो।  
 (iii) स्तम्भ (i) में उल्लिखित अवधि के लिए दाय्या की गई प्रतिदाय रकम, यदि कोई हो।  
 (iv) व्याज की रकम।  
 (v) शास्ति की रकम।  
 (vi) स्तम्भ (i) में उल्लिखित अवधि के लिए कराधेय सेवा का मूल्य।
- क्या सेवा कर या शास्ति या व्याज या सभी तीनों को जमा किया गया है।
- (क) क्या अपीलार्थी वैयक्तिक रूप से सुने जाने के लिए हस्तुक्त है।
- अपील में दावा किया गया अनुतोष।

तथ्यों के विवरण

प्राधिकृत प्रतिनिधि, यदि कोई है,  
के हस्ताक्षर।

अपील के आधार

अपीलार्थी के हस्ताक्षर

## सत्यापन

मैं, \_\_\_\_\_ अपीलार्थी, घोषणा करता हूँ कि ऊपर जो भी कहा गया है वह मेरी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार सही है।

आज \_\_\_\_\_ के \_\_\_\_\_ दिन को सत्यापन

स्थान : \_\_\_\_\_

तारीख : \_\_\_\_\_

प्राधिकृत प्रतिनिधि के यदि कोई है,

अपीलार्थी या उसके प्राधिकृत

हस्ताक्षर

प्रतिनिधि के हस्ताक्षर

टिप्पण :—अपील का प्रारूप, जिसके अंतर्गत तथ्यों का कथन है, और अपील के आधार पर दो प्रतियों में फाइल किए जायेंगे और उसके साथ उस विनिश्चय या आदेश की, जिसके विरुद्ध अपील की गई है, प्रति होगी।

प्रारूप एस टी-5

वित्त अधिनियम, 1994 (1994 का 32) की धारा 86 के अधीन अपील अधिकरण को अपील का प्रारूप।

सीमाशुल्क: उत्पाद शुल्क और स्वर्ण (नियंत्रण) अपील अधिकरण में अपील सं. \_\_\_\_\_

तारीख \_\_\_\_\_ अपीलार्थी

बनाम

प्रत्यर्थी

- (1) उस आदेश को जिसके विरुद्ध अपील की गई पारित करने वाले प्राधिकारी का पदनाम और पता
- (2) उस आदेश में जिसके विरुद्ध अपील की गई संख्यांक और तारीख
- (3) उस आदेश की जिसके विरुद्ध अपील की गई प्रति की संरचना की तारीख
- (4) राज्य/संघ राज्य क्षेत्र और कलकटरी जिसमें निर्धारण/शक्ति/व्याप्त का विनिश्चय/आदेश किया गया था
- (5) उन मामलों में न्याय निर्णायक प्राधिकारी का पदनाम और पता जिनमें वह आदेश जिसके विरुद्ध अपील की गई है कलकटर (अपील) का आदेश है।
- (6) वह पता जिस पर अपीलार्थी को नोटिस भेजे जा सके।
- (7) वह पता जिस पर प्रत्यर्थी को नोटिस भेजे जा सकें।
- (8) क्या उस विनिश्चय या आदेश में जिस विरुद्ध अपील की गई है ऐसा प्रश्न अंतर्बलित है जिसका संबंध निर्धारण के प्रयोजनों के लिए कराधेय सेवा के मूल्य से है यदि नहीं तो क्या स्थिति कर या अंतर्बलित कर या व्याज या अंतर्बलित शास्ति की रकम में अस्तर।
- (8क) (i) विवाद की अवधि।
- (ii) मद (i) में उल्लिखित अवधि के लिए मांग की गई कर की रकम यदि कोई हो
- (iii) मद (i) में उल्लिखित अवधि के लिए दावा किए गए प्रति वाय की रकम यदि कोई हो।
- (iv) अंतर्प्रस्त व्याज की रकम।
- (v) अधिरोपित शास्ति की रकम।
- (9) क्या कर या आस्ति/व्याज जमा किया गया है क्या ऐसे जमा को अभिमुक्ति के लिए कोई आवेदन किया गया है उस जालान की जिसके अधीन जमा किया गया है एक प्रति दी जाएगी।
- (9क) क्या अपीलार्थी वैयक्तिक रूप से सुने जाने के लिए इच्छुक है।
- (10) अपील में दावा किया गया अनुलोप

तथ्यों का विवरण

अपील के आधार

(i)

(ii)

(iii)

(iv)

प्राधिकृत प्रतिनिधि के यदि कोई हो

हस्ताक्षर

अपीलार्थी की हस्ताक्षर

## सत्यापन

मैं, -----अपीलार्थी, यह घोषणा करता हूँ कि ऊपर जो कहा गया है वह मेरी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार सही है।

भाज 19-----के-----दिन को सत्यापित।  
प्राधिकृत प्रतिनिधि के, यदि कोई हो अपीलार्थी या उसके प्राधिकृत प्रतिनिधि के

हस्ताक्षर हस्ताक्षर  
टिप्पण :

- (1) अपील, जिसके अनर्गत तथ्यों का कथन और अरीज के आधार पर है, चार प्रतियों में फाइल की जाएगी और उसके साथ उस आदेश की, जिसके विरुद्ध अपील की गई है, समान संख्या में प्रतियां होगी (उनमें से कम से कम एक प्रमाणित प्रति होगी),
- (2) अपील का प्रारूप अंग्रेजी (या हिन्दी) में होगा और उसमें अपील के आधार संक्षिप्त रूप और मुख्य शीर्षों में बिना किसी तर्क या वृत्तान्त के दिए जाने चाहिए और ऐसे आधारों को क्रम से संज्ञांकित किया जाना चाहिए।
- (3) अधिनियम के उपबंधों के अधीन संदाय के लिए अश्रुित 200 रुपये की फीस, अधिकरण के न्याय पीठ के सहायक रजिस्ट्रार के पक्ष में लिखे गए उस भवन में, जहां न्यायपीठ स्थित है, अवस्थित किसी राष्ट्रीयकृत बैंक की शाखा में रेखांकित बैंक ड्राफ्ट के द्वारा संदत की जाएगी और मांग देय ड्राफ्ट अपील के प्रारूप के साथ संलग्न किया जाएगा।

## प्रारूप एस०टी०-6

वित्त अधिनियम, 1994 (1994 का 32) की धारा 86 के अधीन अपील अधिकरण के प्रत्याक्षेप के ज्ञापन का प्रारूप सीमाशुल्क, उत्पाद शुल्क और स्वर्ण (नियंत्रण) अपील अधिकरण में—

-----19-----के अपील संख्यांक-----  
-----19-----की प्रत्याक्षेप संख्यांक-----  
-----अपीलार्थी/आवेदक-----प्रत्यर्थी।

- (1) वह राज्य/राज्य क्षेत्र और कनस्टरी, जिसमें निर्धारण/अस्तित्व/व्याज का आदेश/विनिश्चय किया गया था।
- (2) अपील के नोटिस की प्राप्ति की तारीख या, यथास्थिति, अपीलार्थी या केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क कलक्टर द्वारा अधीन अधिकरण में फाइल किया गया आवेदन।
- (3) वह पता, जिस पर प्रत्यर्थी को नोटिस भेजे जा सकें।
- (4) वह पता, जिस पर अपीलार्थी/आवेदक को नोटिस भेजे जा सकें।
- (5) क्या उस विनिश्चय या आदेश में, जिसके विरुद्ध अपील की गई है, ऐसा कोई प्रश्न अंतर्भूत है जिसका संश्लेष निर्धारण के प्रयोजनों के लिए कर की दर से या कराधेय सेवा के मूल्य से है ; यदि नहीं तो, यथास्थिति, कर या अंतर्भूत कर या व्याज या अंतर्भूत शास्ति की रकम में अंतर।
- (5क) (i) विवाद की अवधि  
(ii) मद (i) में उल्लिखित अवधि के लिए दावा की गई रकम, यदि कोई है  
(iii) मद (i) में उल्लिखित अवधि के लिए दावा किए गए प्रतिदाय की रकम, यदि कोई है,  
(iv) अधिरोपित व्याज की रकम  
(v) अधिरोपित शास्ति की रकम
- (6) प्रत्याक्षेप के ज्ञापन में दावा किया गया अनुतोष।

## प्रत्याक्षेप के आधार

- (1)
- (2)
- (3)
- (4)

प्राधिकृत प्रतिनिधि के, यदि कोई है  
हस्ताक्षर

प्रत्यर्थी या उसके प्राधिकृत प्रतिनिधि के  
हस्ताक्षर

## सत्यापन

मैं, \_\_\_\_\_ प्रत्यर्थी, यह घोषणा करता हूँ कि ऊपर जो कहा गया है वह मेरी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार सही है।

आज तारीख \_\_\_\_\_ के \_\_\_\_\_ दिन को सत्यापित।

प्राधिकृत प्रतिनिधि के, यदि कोई है,  
हस्ताक्षर

प्रत्यर्थी या उसके प्राधिकृत प्रतिनिधि के  
हस्ताक्षर।

टिप्पण: (1) प्रत्याक्षेप के ज्ञापन का प्ररूप चार प्रतियों में फाइल किया जाएगा।

(2) प्रत्याक्षेप के ज्ञापन का प्ररूप अंग्रेजी (या हिन्दी) में होगा और उसमें प्रत्याक्षेप के आधार संक्षिप्त रूप तथा भुविन्न शीर्षों में बिना किसी तक या वृत्तान्त के दिए जाने चाहिए और ऐसे आधारों के क्रम से संख्यांकित किया जाना चाहिए।

(3) अपील अधिकरण के कार्यालय द्वारा आबंटित रूप में गौर प्रत्यर्थी द्वारा प्राप्त अपील/आवेदन के नोटिस में दिया गया अपील/आवेदक का संख्यांक और वर्ष प्रत्यर्थी द्वारा भरा जाना है।

प्ररूप एसटी-7

वित्त अधिनियम, 1994 की धारा 86(2) के अधीन अपील अधिकरण की आवेदन का प्ररूपण सीमाशुल्क, उत्पाद शुल्क और स्वर्ण (नियंत्रण) अपील अधिकरण में—

\_\_\_\_\_ का अपील सं. \_\_\_\_\_

आवेदक

बनाम

प्रत्यर्थी

- (1) आवेदक का पदनाम और पता (यदि आवेदक न्यायाधिनिर्णायक प्राधिकारी नहीं है तो, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क कलक्टर से प्राधिकार की एक प्रति आवेदन करने के लिए संलग्न की जानी चाहिए)।
- (2) प्रत्यर्थी का नाम और पता।
- (3) विनिश्चय या आदेश पारित करने वाले अधिकारी का पदनाम और पता जिसकी बाबत वह आवेदन किया जा रहा है और विनिश्चय या आदेश की तारीख।
- (4) वह राज्य/संघ राज्य क्षेत्र और कलक्टर जिमको विनिश्चय या आदेश किया गया था।
- (5) वह तारीख, जिमको बोर्ड द्वारा वित्त अधिनियम, 1994 की धारा 86 की उपधारा (2) के अधीन आदेश पारित किया गया है।
- (6) न्यायनिर्णायक प्राधिकरण को ऊपर (3) में निर्दिष्ट आदेश की संसूचना की तारीख।
- (7) क्या उस विनिश्चय और आदेश में, जिसके विरुद्ध अपील की गई है, ऐसा कोई प्रश्न अंतर्वलित है, जिसका संबंध निर्धारण के प्रयोजनों के लिए कर की दर से या कराधेय सेवा के मूल्य से है; यदि नहीं तो, यथास्थिति, कर या अंतर्वलित शुल्क या अंतर्वलित शास्ति की रकम या अंतर्वलित माल के मूल्य में अंतर।
- (7क) (i) विवाद की अवधि  
(ii) स्तम्भ (1) में उल्लिखित अवधि के लिए मांगी गई कर की रकम, यदि कोई है।  
(iii) स्तम्भ (1) में उल्लिखित अवधि के लिए दावा की गई प्रतिवाय की रकम, यदि कोई है।  
(iv) अधिरोपित व्याज की रकम।..  
(v) अधिरोपित शास्ति की रकम।
- (8) आवेदन में दावा किए गए अनुलोष।

तथ्यों का कथन

आवेदन के आधार

आवेदक के हस्ताक्षर

टिप्पण:—आवेदन का प्ररूप जिसके अंतर्गत तथ्यों का कथन है, और आवेदन के आधार चार प्रतियों में फाइल किए जाने चाहिए और उसके साथ केन्द्रीय उत्पाद शुल्क कलक्टर द्वारा पारित विनिश्चय या आदेश की समान संख्या में प्रतियां होंगी (जिसमें से कम से कम एक प्रमाणित प्रति होगी) और यथास्थिति, बोर्ड द्वारा पारित आदेश की एक प्रति या केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (अपील) कलक्टर के आदेशों की प्रतियां होंगी (जिनमें से एक प्रमाणित प्रति होगी) तथा धारा 86 की उपधारा (2) के केन्द्रीय उत्पाद शुल्क कलक्टर के आदेश की एक प्रति होगी।

## MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

## NOTIFICATION

New Delhi, the 28th June, 1994

## No. 2/94-SERVICE TAX

G.S.R. 546(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) read with sub-section (2) of section 94 of the Finance Act, 1994 (32 of 1994), the Central Government hereby makes the following rules for the purpose of the assessment and collection of service tax, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Service Tax Rules, 1994.

(2) They shall come into force on the 1st day of July, 1994.

2. Definitions.—(1) In these rules, unless the context otherwise requires,—

- (a) "Act" means the Finance Act, 1994 (32 of 1994);
- (b) "assessment" means assessment of service tax by a Central Excise Officer and shall include reassessment, an order of assessment in which the tax assessed is nil; determination of the interest on the tax assessed or reassessed;
- (c) "Form" means a Form appended to these rules;
- (d) "person responsible for collecting the service tax" means—
  - (i) in relation to a telephone connection—
    - (a) the Director General of Posts and Telegraphs, referred to in clause (6) of section 3 of the Indian Telegraph Act, 1885 (13 of 1885); or
    - (b) the Chairman-cum-Managing Director, Mahanagar Telephone Nigam Ltd., Delhi, a company registered under the Companies Act, 1956 (1 of 1956); or
  - (c) any other person who has been granted a licence by the Central Government under the first proviso to sub-section (1) of section 4 of the Indian Telegraph Act, 1885 (13 of 1885);
- (ii) in relation to general insurance business—
  - (a) the Chairman of the General Insurance Corporation of India, Bombay; or
  - (b) the Chairman-cum-Managing Director of the National Insurance Company Ltd., Calcutta; or
  - (c) the Chairman-cum-Managing Director of the New India Assurance Company Ltd., Bombay; or
  - (d) the Chairman-cum-Managing Director of the Oriental Insurance Company Ltd., Delhi; or

(e) the Chairman-cum-Managing Director of the United India Insurance Company Ltd., Madras; or

(f) any other person carrying on general insurance business and who has obtained a certificate of registration under section of the Insurance Act, 1938 (4 of 1938); and

(iii) in connection with the sale or purchase of securities listed on a recognised stock exchange, every stock-broker.

(2) All words and expressions used but not defined in these rules but defined in the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944) and the Central Excise Rules, 1944 shall have the meanings assigned to them in that Act and rules.

3. Appointment of officers.—The Central Board of Excise and Customs may appoint such Central Excise Officers as it thinks fit for exercising the powers under Chapter V of the Act within such local limits at it may assign to them as also specify the taxable service in relation to which any such Central Excise Officer shall exercise his powers.

4. Registration.—(1) Every person responsible for collecting the service tax shall make an application to the concerned Central Excise Officer appointed under rule 3, in Form ST-1 for registration.

(2) Where an assessee is providing taxable services from more than one premises or offices, it shall be competent for the Central Government to allow separate applications for registration in respect of each such premises or office.

(3) The Central Excise Officer shall, after satisfying himself that the application form is in conformity with the provisions of Chapter V of the Act and these rules, grant a certificate of registration in Form 'ST-2' within seven days from the date of receipt of the application. If the registration certificate is not granted within the said period, the registration applied for shall be deemed to have been granted.

(4) Where a registered assessee transfers his business to another person, the transferee shall obtain a fresh certificate of registration.

(5) Every registered assessee, who ceases to carry on the activity for which he is registered, shall surrender his registration certificate immediately.

5. Records.—(1) The records (including computerised data) as maintained by an assessee in accordance with the various laws in force from time to time shall be acceptable.

(2) Every assessee shall furnish to the Central Excise Officer at the time of filing his quarterly return for the first time a list of all accounts maintained by the assessee in relation to service tax including memoranda received from his branch offices.

6. Payment of service tax.—(1) The assessee shall deposit with the bank designated by the Central Board of Excise and Customs for this purpose in Form TR-6 by the 15th of the month immediately following the calendar month, the service tax collected by him on the value of taxable service.

Provided that where an assessee is, for any reason, unable to correctly estimate on the date of deposit the actual amounts collected for any particular month or period, the assessee may make a request in writing to the Central Excise Officer to make a provisional assessment of the tax on the basis of the amount deposited and the Central Excise Officer, may, on receipt of such request, order provisional assessment of tax and where the Central Excise Officer makes a provisional assessment, the provisions of Central Excise Rules, 1944 relating to provisional assessment, except so far as it relates to execution of bond, shall, so far as may be, apply to such assessment.

(2) A statement giving details of the difference between the service tax deposited and the service tax actually collected for each month shall be given by the assessee in a memorandum in Form ST-3A accompanying the quarterly return submitted by him immediately thereafter.

(3) Where the assessee submits a memorandum in Form ST-3A under sub-rule (2), it shall be lawful for the Central Excise officer to complete the assessment, wherever he deems it necessary, after calling such further documents or records as he may consider necessary and proper in the circumstances of the case.

Explanation.—For the purposes of this rule and rule 7, “Form TR-6” mean a memorandum or challan referred to in rule 92 of the Treasury Rules of the Central Government.

7. Quarterly return.—(1) Every assessee shall submit a quarterly return in Form ‘ST-3’, in triplicate alongwith—

- (a) a copy each of the Form TR-6 submitted for the months covered in the quarter, and
- (b) a memorandum in Form ST-3A giving full details of the difference between the amount of service tax collected during a month and the actual amount deposited.

(2) The Central Excise Officer shall thereupon, assess the service tax payable including interest, if any, payable thereon and complete the assessment memorandum. A copy of the return so assessed shall be sent to the assessee.

(3) The service tax determined and paid by the assessee shall be adjusted against the service tax assessed by the Central Excise Officer under sub-rule (2) and where the service tax so assessed is more than the service tax determined and paid by the assessee, the assessee shall pay the deficiency, alongwith amount of interest determined thereon, within ten days of receipt of the copy of the return from the Central Excise Officer and where such service tax is less, the assessee may apply for refund in accordance with the provisions of section 11-B of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944).

8. Form of appeals to Collector of Central Excise (Appeals).—(1) An appeal under section 85 of the Act to the Collector of Central Excise (Appeals) shall be in Form ST-4.

(2) The appeal shall be filed in duplicate and shall be accompanied by a copy of order appealed against

9. Form of Appeals to Appellate Tribunal.—(1) An appeal under sub-section (1) of section 86 of the Act to the Appellate Tribunal shall be made in Form ST-5 in quadruplicate and shall be accompanied by—

- (a) a memorandum of cross objections under sub-section (4) of section 86 of the Act made in Form ST-6; and
- (b) a copy of the order appealed against (one of which shall be a certified copy).

(2) An appeal under sub-section (2) of section 86 of the Act to the Appellate Tribunal shall be made in Form ST-7 in quadruplicate and shall be accompanied by—

- (a) a memorandum of cross objections under sub-section (4) of section 86 of the Act made in Form ST-6;
- (b) a copy of the order of Collector of Central Excise and a copy of the order passed by the Central Board of Excise and Customs directing the Central Excise Officer to apply to the Appellate Tribunal or copy of orders of Collector of Central Excise (Appeals) and the order of Collector of Central Excise directing the Central Excise Officer to apply to the Appellate Tribunal, as the case may be.

[F. No. 137/1/94-CX. 4]  
RAJIV BHATIA, Under Secy.

#### FORM ST—I

#### APPLICATION FOR REGISTRATION UNDER SECTION 69 OF FINANCE ACT, 1994 (32 of 1994)

1. NAME OF THE ASSESSEE :
2. ADDRESS OF THE ASSESSEE :
3. ADDRESS OF THE PREMISES  
TO BE REGISTERED :
4. CATEGORY OF THE SERVICE :
5. FAX/TELEX AND PHONE NUMBER :
6. FORM OF ORGANISATION :  
(individual|company|  
partnership, etc.)
7. ADDITIONAL INFORMATION :  
REQUIRED IN THE CASE OF  
STOCK BROKER
  - (a) Name of the Member, with  
code No.
  - (b) Name of Stock Exchange  
registered with
  - (c) Date of admission of  
Membership

- (d) Whether member of more than one Stock Exchange? If so, please give name of the Stock Exchange with Code Number

- (e) Registration Number allotted by Securities and Exchange Board of India (copy of certificate of registration may be enclosed or a copy of application for registration with SEBI may be enclosed)

8. I/We \_\_\_\_\_ agree to abide by all the provisions of Service Tax Rules, 1994 and any order issued thereunder.

9. I/We \_\_\_\_\_ declare in the best of my/our knowledge and belief that the information furnished herein is true and complete.

Place.

Date :

Signature of Assessee  
or his Authorised  
Representative

### FORM ST—2

### CERTIFICATE OF REGISTRATION UNDER SECTION 69 OF THE FINANCE ACT, 1994 (32 of 1994)

1. Shri/Ms. \_\_\_\_\_ having  
(Name with complete address of premises)  
undertaken to comply with the conditions prescribed in the Service Tax Rules, 1994 and any orders issued thereunder is hereby certified to have been registered with the Central Excise Department for collecting Service Tax on \_\_\_\_\_  
His Registration Number is \_\_\_\_\_.

2. This certificate is valid only for the premises given above.

3. This Registration Certificate is not transferable.

4. This certificate shall remain valid till the holder carries on the activity for which the certificate has been issued or where surrender of the certificate is accepted by the Central Excise Officer.

Place ;

Date .

Name & Signature of the  
Central Excise Officer  
With official seal.

### FORM ST—3

### RETURN OF SERVICE TAX CREDITED TO THE GOVERNMENT OF INDIA FOR THE QUARTER ENDING— —19— COLLECTORATE

1. Name of the assessee:
2. Category of Service:
3. C. Ex. Registration No.

S. No.	Month	Value of taxable service in terms of Sec. 67 of the Finance Act	Service Tax @ 5%	Amount of interest, if any.	Total amount paid	Challan No. & date
1	2	3	4	5	6	7
(1)						
(2)						
(3)						

TOTAL :

I/We declare that I/We have compared the above particulars with the records and books maintained by us and that the same are correctly stated.

Place:

Date:

Signature of Assessee or  
his authorised representative

### ASSESSMENT MEMORANDUM

1. The Service Tax has been paid correctly
2. The Service Tax has been short/excess paid to the extent of Rs. ....  
The correct assessment of the Service Tax is as per the following details

The assessee is requested to pay the deficiency of Rs. ....

Within 10 days from the receipt of this Assessment Memorandum. The assessee may apply for refund, if any, in. ....

(Signature and Stamp of  
Central Excise Officer)

## FORM ST—3A\*

MEMORANDUM FOR PROVISIONAL DEPOSIT UNDER RULE 6 OF THE  
SERVICE TAX (RULES), 1944

FOR THE MONTH OF ———, 199—

S. No.	Provisional value of taxable service in terms of sec. 67 of the Act.	Provisional amount of service tax @5% paid	Form TR-6 No. and Date	Actual value of taxable service in terms of sec. 67	Actual amount of service tax payable
1	2	3	4	5	6

Difference between the amount of provisionally paid tax and the amount of Service tax payable	Form TR-6 No. and date indicating payment under Col. (7)	Remarks
7	8	9

Reasons for making provisional deposit of service tax

\*Attach separate sheet for each month.

## FORM—ST—4

Under Section 85 of the Finance Act, 1994 (32 of 1994)

1. No. ——— of ——— 19—
2. Name and address of the appellant.
3. Designation and address of the officer passing the decision or order appealed against and the date of decision or order.
4. Date of communication of the decision or order appealed against to the appellant.
5. Address to which notices may be sent to appellant.
- 5(A) (i) Period of dispute.
- (ii) Amount of service tax, if any, demanded for the period mentioned in Col. (i).
- (iii) Amount of refund, if any, claimed for the period mentioned in Col. (i).
- (iv) Amount of interest.
- (v) Amount of penalty.
- (vi) Value of the taxable service for the period mentioned in Col. (i).
6. Whether service tax or penalty or interest or all the three have been deposited.
- 6(A). Whether the appellant wishes to be heard in person ?

## 7. Relief claimed in appeal.

STATEMENTS OF FACTS  
GROUNDS OF APPEALSignature of the authorised  
representative, if anySignature of the  
appellant

## VERIFICATION

I, ——— the appellant, do hereby declare that what is stated above is true to the best of my information and belief.

Verified today, the ——— day of ———

Place : ———

Date : ———

Signature of the authorised  
representative, if any.Signature of the appellant  
or his authorised  
representative.

Notes : The form of appeal including the statement of facts and the grounds of appeal shall be filed in duplicate and shall be accompanied by a copy of the decision of order appealed against.

## FORM ST—5

FORM OF APPEAL TO APPELLATE TRIBUNAL  
UNDER SECTION 86 OF THE FINANCE ACT,  
1994 (32 of 1994)

IN THE CUSTOMS, EXCISE AND GOLD  
(CONTROL) APPELLATE TRIBUNAL

Appeal No. .... of ..... 19.....  
..... Appellant  
Vs.

..... Respondent

(1) The designation and address of the authority  
passing the order appealed against.

(2) The number and date of the order appealed  
against.

(3) Date of communication of a copy of the order  
appealed against.

(4) State|Union territory and the Collectorate in  
which the order|decision of assessment|penalty|inter-  
est was made.

(5) Designation and address of the adjudicating  
authority in cases where the order appealed against  
is an order of the Collector (Appeals.)

(6) Address to which the notices may be sent to  
the appellant.

(7) Address to which the notices may be sent to  
the respondent.

(8) Whether the decision or order appealed against  
involves any question having a relation to the value  
of the taxable service for purposes of assessment; if  
not difference in tax or tax involved, or amount of  
interest or penalty involved, as the case may be.

(8A) (i) Period of dispute.

(ii) Amount of tax, if any, demanded for the  
the period mentioned in item (i).

(iii) Amount of refund, if any, claimed for the  
period mentioned in item (i).

(iv) Amount of interest involved.

(v) Amount of penalty imposed.

(9) Whether tax or penalty|interest is deposited if  
not, whether any application for dispensing with such  
deposit has been made (a copy of the challan under  
which the deposit is made shall be furnished).

(9A) Whether the appellant wishes to be heard in  
person.

(10) Reliefs claimed in appeal.

## STATEMENT OF FACTS

## GROUNDS OF APPEAL

(i)

(ii)

(iii)

(iv)

Signature of authorised  
representative, if any.

Signature of the appellant

## VERIFICATION

I....., the appellant, do hereby  
declare that what is stated above is true to the best  
of my information and belief.

Verified today, the..... day of.....  
19.....

Signature of the authorised  
representative, if any.

Signature of the appellant  
or his authorised  
representative.

## NOTES

(1) The appeal including the statement of facts  
and the grounds of appeal shall be filed in quadru-  
plicate and shall be accompanied by an equal number  
of copies of the order appealed against (one of which  
at least shall be certified copy).

(2) The form of appeal shall be in English (or  
Hindi) and should set forth, concisely and under  
distinct heads, the grounds of appeal without any  
argument or narrative and such grounds be number-  
ed consecutively.

(3) The fee of Rs. 200 required to be paid under  
the provisions of the Act shall be paid through a  
crossed bank draft drawn in favour of the Assistant  
Registrar of the bench of the Tribunal on a branch  
of any nationalised bank located at the place where  
the bench is situated and the demand draft shall be  
attached to the form of appeal.

## FORM ST—6

FORM OF MEMORANDUM OF CROSS- OBJEC-  
TIONS TO THE APPELLATE TRIBUNAL  
UNDER SECTION 86 OF THE FINANCE ACT,  
1994 (32 of 1994)

IN THE CUSTOMS, EXCISE AND GOLD  
(CONTROL) APPELLATE TRIBUNAL

Cross-objection No. .... of 19.....  
In appeal No. .... of 19.....  
..... Appellant|Applicant  
..... Respondent.

(1) State|Union Territory and the Collectorate in  
which the order|decision of assessment|penalty|in-  
terest was made.

(2) Date of receipt of notice of appeal or applica-  
tion filed with the Appellate Tribunal by the appel-  
lant or as the case may be, the Collector of Central  
Excise.

(3) Address to which notices may be sent to the  
respondent.

(4) Address to which notices may be sent to the  
appellant|applicant.

(5) Whether the decision or order appealed against  
involves any question having a relation to the rate  
of tax or to the value of taxable service for purposes  
of assessment; if not, difference in tax or involved, or  
amount of interest or penalty involved or value of  
taxable service involved, as the case may be.

- (5A) (i) Period of dispute.  
 (ii) Amount of tax, if any, claimed for the period mentioned in item (i).  
 (v) amount of refund, if any, claimed for the period mentioned in item (i).  
 (iv) Amount of interest imposed.  
 (v) Amount of penalty imposed.  
 (6) Relief claimed in the memorandum of cross-objections.

#### GROUND OF CROSS-OBJECTIONS

- (1)  
 (2)  
 (3)  
 (4)

Signature of authorised  
 representative, if any

Signature of the respondent  
 or his authorised  
 representative.

#### VERIFICATION

I, ..... the respondent, do hereby declare that what is stated above is true to the best of my information and belief.

Verified today, the ..... day of .....  
 19.....

Signature of the authorised  
 representative, if any.

Signature of the respondent  
 or his authorised  
 representative.

#### NOTES :

(1) The form of memorandum of cross-objection shall be filed in quadruplicate.

(2) The form of memorandum of cross-objections should be in English (or Hindi) and should set forth, concisely and under distinct heads the ground of the cross-objections without any argument or narrative and such grounds should be numbered consecutively.

(3) The number and year of appeal/application as allotted by the office of the Appellate Tribunal and appearing in the notice of appeal/application received by the respondent is to be filled in by the respondent.

#### FORM ST-7

FORM OF APPLICATION TO APPELLATE  
 TRIBUNAL UNDER SECTION 86 (2) OF THE  
 FINANCE ACT, 1994 (32 of 1994).

IN THE CUSTOMS, EXCISE AND GOLD  
 (CONTROL) APPELLATE TRIBUNAL

Appeal No. .... of .....  
 .. Applicant

Vs.

..... Respondent

(1) Designation and address of the applicant (if the applicant is not the adjudicating authority, a copy of the authorisation from the Collector of Central Excise to make the application should be enclosed).

(2) Name and address of the respondent.

(3) Designation and address of the officer passing the decision or order in respect of which this application is being made and the date of the decision or order.

(4) State/Union Territory and the Collectorate in which the decision of order was made.

(5) Date on which order under sub-section (2) of section 86 of the Finance Act, 1994 has been passed by the Board.

(6) Date of communication of the order referred to in (3) above to the adjudicating authority.

(7) Whether the decision or order appealed against involves any question having a relation to the rate of tax or to the value of taxable service for purpose of assessment; if not, difference in tax or duty involved, or amount of penalty involved or value of goods involved, as the case may be.

(7A) (i) Period of dispute.

(ii) Amount of tax, if any, demanded for the period mentioned in column (i).

(iii) Amount of refund, if any, claimed for the period mentioned in column (i).

(iv) Amount of interest imposed.

(v) Amount of penalty imposed.

(8) Reliefs claimed in the application.

#### STATEMENT OF FACTS

#### GROUND OF APPLICATION

Signature of the applicant

#### NOTES .

The form of application including the statement of facts and grounds of application shall be filed in quadruplicate and shall be accompanied by an equal number of copies of the decisions or order passed by the Collector of Central Excise (one of which at least shall be certified copy) and a copy of the order passed by the Board or copies of orders of Collector of Central Excise (Appeals) (one of which shall be a certified copy) and a copy of the order of Collector of Central Excise as the case may be under sub-section (2) of Section 86.

